हिपॅटिटिस संबंध मे आवश्यक जानकारी

हिपॅटिटिस यह यकृत रोग है, इसमे यकृत पर सूजन आती है, यह रोग विषाणू जन्य है। संपूर्ण विश्व मे दिखाई देता है, किंतु अन्य प्रसार जैसे विषयुक्त पदार्थ (उदा. शराब , कुछ दवाएँ , एवं आंतरिक शाारिरिक मांसपेशियाँ) इस रोगको जन्म देती है। हिपॅटिटिस "ए" एवं "ई "यह मुख्यतः दुषित भोजन एवं दुषित जल के कारण होते है। हिपॅटिटिस "बी", "सी" एवं "डी" मुख्य रुप से पुर्वजोंके शारिरिक द्रव्य संक्रमण से अगली पीढी को होता है।

लक्षण

नेत्र एवं त्वचा का पीलापन

बुखार एवं थकावट

भूख नही लगना

जी मचलना उल्टींयाँ होना

पेट मे दर्द

सुरक्षा कैसे करे ?

- ✓ हिपॅटिटिस बी हेतु टीका लगाए।
- ✓ संभोग के दौरान कंडोम का उपयोग करे।
- ✓ एक दुसरे के ब्रश , ब्लेड, नेलकटर ना वापरें।
- ✓ एक दुसरे के इंजेक्शन की सुई ना वापरे।
- ✓ रक्त प्रत्यारोपण के पुर्व हिपॅटिटिस "बी" एवं "सी" की जाँच अवश्य करें।
- ✓ पुर्ण पका भोजन एवं उबला पानी पिए।
- ✓ भोजन पकाने के पुर्व एवं खाने के पहले वैसेही शौचालय से आनेके पश्चात हात पानी और साबुन से धोए ।

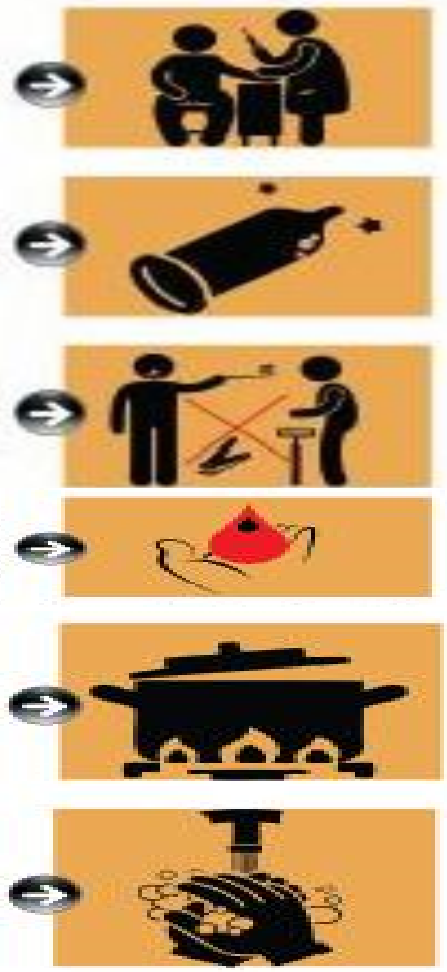

संदर्भ : जागतिक आरोग्य संघटना